JOIN PUNJAB KESARI WHATSAPP CHANNEL
(https://www.whatsapp.com/channel/0029VbAz5sOAzNc4kF9Ioy1Z)

डॉ. अंबेडकर का सम्मान करने पर आचार्य प्रशांत को मिली मौत की धमकी

IANS(Https://Www.Punjabkesari.Com/Author/Ians/) April 14, 2026(Https://Www.Punjabkesari.Com/2026/04/14/) 6:35 PM No Comments (Https://Www.Punjabkesari.Com/India-News/Dr-Ambedkar-Ka-Samman-Karne-Par-Acharya-Prashant-Ko-Mili-Maut-Ki-Dhamki/#Respond)

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (आईएएनएस)। प्रसिद्ध दार्शनिक एवं लेखक आचार्य प्रशांत को एक बार फिर हत्या की धमकी मिली है। यह धमकी उन्हें डॉ. भीमराव अंबेडकर के सम्मान में दिए गए वक्तव्य के बाद एक यूट्यूब अकाउंट के माध्यम से दी गई है।

संबंधित वीडियो लिंक: https://youtube.com/shorts/cd6LA-9uC-Q?si=rMUmdDzFgR-qPnF_

इस संबंध में प्रशांतअद्वैत फाउंडेशन ने औपचारिक शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया आरंभ कर दी है।

आईआईटी दिल्ली एवं आईआईएम अहमदाबाद से शिक्षित आचार्य प्रशांत एक शिक्षक एवं लेखक हैं, जिनका कार्य आत्म-अन्वेषण तथा उसके समकालीन जीवन में अनुप्रयोग पर केंद्रित है। वे अपने स्पष्टवादी विचारों के लिए जाने जाते हैं।

यह कोई पहली घटना नहीं है। बीते वर्षों में भी आचार्य प्रशांत को विभिन्न सोशल मीडिया माध्यमों से कई बार जान से मारने की धमकियां मिल चुकी हैं। फाउंडेशन के प्रवक्ता ने बताया कि जब वे स्त्रियों के समर्थन में बोलते हैं, तो एक सम्प्रदाय की ओर से धमकियां आती हैं, जब वे अंधविश्वास के विरुद्ध बोलते हैं, तो जनसंख्या का दूसरा वर्ग आक्रमण करता है और जब वे आतंकवाद के विरुद्ध बोलते हैं, तो किसी अन्य दिशा से धमकियां आरंभ हो जाती हैं। यह इसलिए और भी विचारणीय है क्योंकि वे किसी भी समूह, सम्प्रदाय या राजनीतिक विचारधारा से संबद्ध नहीं हैं, फिर भी विभिन्न धर्मों के कट्टरपंथी उनके विरोध में खड़े दिखाई देते हैं।

चिंता का विषय यह भी है कि विगत कई वर्षों से अनेक सोशल मीडिया हैंडल्स द्वारा आचार्य प्रशांत के विरुद्ध संगठित दुष्प्रचार चलाया जा रहा है। उनके वक्तव्यों को संदर्भ से काटकर, तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत किया जाता है, जिससे भ्रम और विद्वेष फैले तथा लोगों को भड़काया जा सके। इसी का परिणाम इस प्रकार की हिंसक धमकियों के रूप में सामने आ रहा है।

उल्लेखनीय है कि इन सबके बावजूद आचार्य प्रशांत को किसी भी प्रकार की राज्य अथवा पुलिस सुरक्षा प्राप्त नहीं है।

–आईएएनएस

एसके/एबीएम

(This content is sourced from a syndicated feed and is published as received. Punjab Kesari assumes no responsibility or liability for its accuracy, completeness, or content.)

News Hub